



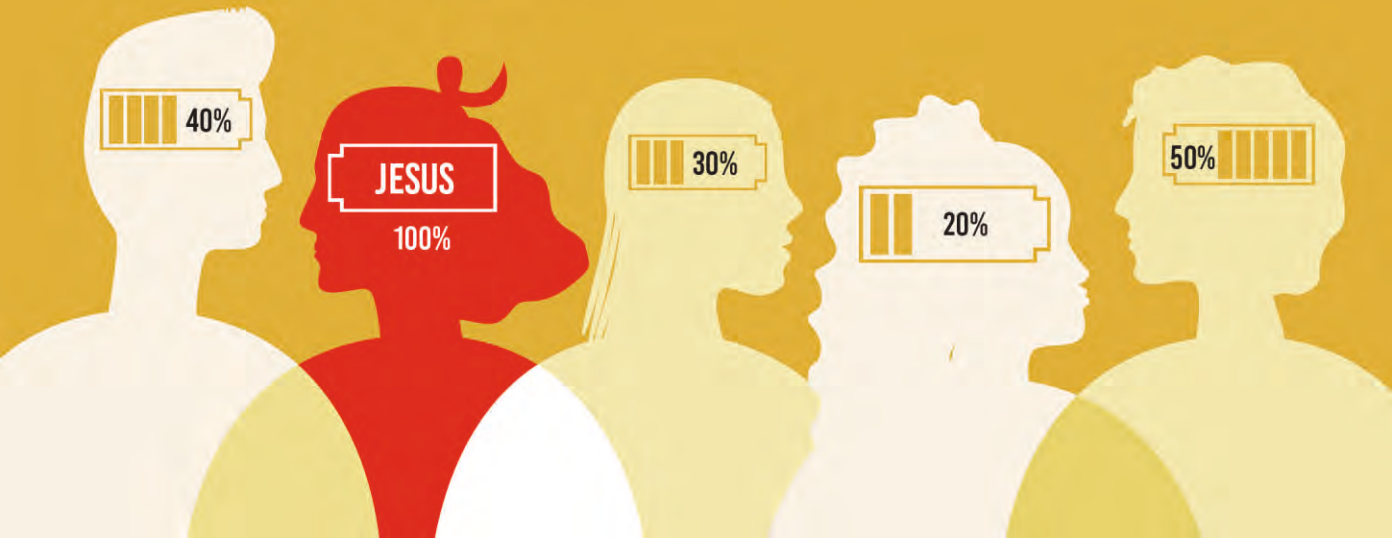
युवा जीवन

अक्टूबर 2022



थकान

जब आपकी सोच कि यीशु से भरी हुई है,
तो किसी भी तरह की थकान को दूर किया जा सकता है।





इस पीढ़ी के युवा हासिल करने के लिए पैदा हुए हैं, वे विजेता हैं और चीजों को पूरा करने के लिए काफ़ी हिम्मत वाले हैं। फिर भी, दूसरी ओर कुछ ऐसे भी हैं जो आसानी से प्रेरणाहीन हो जाते हैं और यह सोचकर कि वे एक छोटी सी असफलता, अपमान या समस्या का सामना करने पर कुछ भी करने में असमर्थ और अयोग्य खुद को दबा लेते हैं। आजकल बहुत से छात्र शैतान के इस धोखे से बंधे हुए हैं कि आत्महत्या ही निराशा का एकमात्र उपाय है।

विलियम कैरी, एक युवक अपनी पत्नी और बच्चों के साथ इंग्लैंड से भारत आया, एक ऐसे देश में प्रचार करने के लिए जहाँ वह भाषा नहीं जानता था, एक अलग मौसम था, अपर्याप्त आर्थिक संसाधन था, और कोई भी उसकी देखभाल या मदद करने वाला नहीं था, सिर्फ इसलिए कि उसे एक बड़ी प्यास थी कि भारतीयों को भी यीशु मसीह के बारे में जानना चाहिए और स्वर्ग का वारिस होना चाहिए। उन्होंने भारत में आत्माओं को यीशु की घोषणा करते समय क्लेशों, निराशाओं, पीड़ाओं और कई अन्य परेशान करने वाली स्थितियों का सामना किया जिस की कोई सीमा नहीं थी।



उनके भारत आने के पहले ही वर्ष के भीतर, उनका परिवार एक के बाद एक बीमार पड़ता गया। उसने अपने बेटे को अपने हाथों से दफ़नाया जो बीमारी से मर गया था। इससे उसकी पत्नी मानसिक रूप से प्रभावित हुई और बाद में उसकी भी मौत हो गई। उन्होंने एक रंग बनाने वाली फैक्ट्री में काम किया और साथ ही साथ बाइबिल को छापने के लिए एक प्रिंटिंग प्रेस शुरू की। कुछ ही दिनों में एक आग दुर्घटना में उनका प्रिंटिंग प्रेस जलकर खाक हो गया और उनकी नौकरी भी चली गई। फिर भी, उन्होंने हार नहीं मानी और वे अपनी जन्मभूमि वापस नहीं लौटे, बल्कि उन्होंने 41 वर्षों तक अपना प्रचार कार्य जारी रखा और उन्होंने भारत की प्रमुख भाषाओं जैसे बंगाली, उड़िया, मराठी, हिंदी और असमी में बाइबिल का अनुवाद किया। इसके अलावा उन्होंने बाइबल के कुछ अध्यायों का 29 भाषाओं में अनुवाद किया और प्रांतीय भाषाओं के रूप में भी। उन्होंने बंगाली में एक बाइबिल शब्दकोश भी प्रकाशित किया। साथ ही, एक समाज सुधारक होने के नाते उन्होंने 'सती' जैसे कई सामाजिक दुष्ट अत्याचारों को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत की, एक धार्मिक प्रथा जिसमें एक विधवा अपने मृत पति की चिता पर बैठकर खुद को बलिदान कर देती है। उन्होंने प्रसिद्ध विश्वविद्यालय 'द सीनेट ऑफ़ सेरामपुर कॉलेज' की स्थापना की। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि तमिल भाषा के लिए उनकी सेवा अतुलनीय है।

जीवन में कई कठिनाइयों और चिंताओं के बावजूद, विलियम कैरी ने उन्हें बाधाओं के रूप में नहीं देखा, लेकिन उनके ऊपर पैर रखकर आगे बढ़ने के लिए पत्थर के रूप में इस्तेमाल किया, और सुसमाचार के काम को पूरा किया।

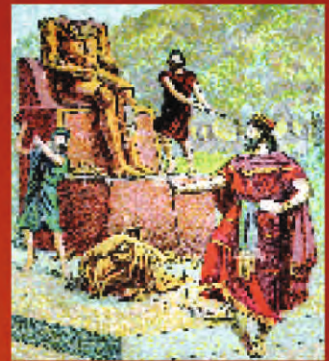
लेकिन हम फालतू की बातों से थक जाते हैं। परमेश्वर चाहता है कि हम अपनी थकान से उठें। अगर हम उसके लिए उठते हैं तो हम उसके लिए बहुत कुछ बना सकते हैं और हासिल कर सकते हैं!

मेरे प्यारे युवा चैंप्स! इस बारे में सोचें कि आपने अपने जीवन में यीशु के लिए क्या किया है। करने का प्रयास करें! कार्य करें! परमेश्वर आपका भरपूर उपयोग करेगा! बिना थके भागो!

**मसीह के मिशन में,
अविनाश**

शुद्धिकरण की बेदारी!

जब बेदारी की आग किसी राष्ट्र या क्षेत्र पर डाली जाती है, तो वह राष्ट्र या क्षेत्र शुद्ध और पवित्र हो जाएगा। बहुत से लोग पश्चाताप करते हैं, अपने पापों को स्वीकार करते हैं और यीशु की ओर मुड़ते हैं। आसा के शासनकाल के दौरान, उसने मूर्तियों को हटा दिया और विदेशी देवताओं की वेदियों को तोड़ दिया, पूरे देश को शुद्ध किया और राष्ट्र के लोगों को परमेश्वर की ओर मोड़ दिया। “... क्योंकि जब उन्होंने देखा, कि उसका परमेश्वर यहोवा उसके साथ है, तब वे इस्राएल से बड़ी संख्या में उसके पास आए” (2 इतिहास 15:9)। उसके दिनों में लोग अपने सारे मन और अपने प्राण से यहोवा को ढूंढते थे। इस प्रकार यहोवा ने एक मनुष्य को चुनकर सारे देश को शुद्ध किया।



19वीं शताब्दी में हुए बेदारी को दूसरा महान आध्यात्मिक बेदारी कहा गया। 19वीं सदी में परमेश्वर ने टाइटस कोन नाम के एक व्यक्ति का इस्तेमाल अधिक लोगों को अपनी ओर लाने के लिए किया। उनके दिनों के दौरान, चर्चों को शुद्ध किया गया था और चर्च के विश्वासी कांप रहे थे, रो रहे थे और चिल्ला रहे थे। और जिन्होंने मण्डली का मज़ाक उड़ाया, शराबियों, बलात्कारियों और हत्यारों ने भी पश्चाताप किया और जुड़े।



जिस का नतीजा, पूरा समाज पूरी तरह से परमेश्वर की ओर मुड़ गया। उनकी वजह से एक साल में चर्च में 5244 लोगों को जोड़ा गया। सप्ताह के दिन 1705 लोगों ने बपतिस्मा लिया। 2044 लोगों ने भोज में भाग लिया। एक समय ये लोग पापी थे, तो अब वे परमेश्वर के लोग हैं। लॉकडाउन के दिनों में भी, कई ईसाई राष्ट्र जो परमेश्वर को भूल गए थे, शुद्ध हो गए और परमेश्वर की ओर मुड़ गए। हमारे देश में भी, कई लोगों का जीवन जो ईश्वर को भूल गए और अपनी इच्छाओं के अनुसार जीते थे, उन्हें शुद्ध और परिवर्तित किया गया है।

प्रिय भाइयों और बहनों! जब हम इस बेदारी के समाचार को पढ़ते हैं, तो क्या हम अपने राष्ट्र और कलीसियाओं को शुद्ध करने और पुनर्जीवित होने के लिए नहीं हैं? जब हम बेदारी के लिए उत्साह से प्रार्थना करते हैं, पवित्र आत्मा निश्चित रूप से हमारे कलीसियाओं और राष्ट्र में बेदारी लाएगा। और यदि आप यीशु से प्रार्थना करते हैं कि आने वाली बेदारी में आपका उपयोग करें, तो वह हमारे राष्ट्र में लोगों की भीड़ को बचाने के लिए आपका उपयोग करेगा।

अगले महीने मिलेंगे एक और पुनरुत्थान संदेश के साथ....

इंसान

यह भाई जेनिल मैथ्यू के साथ एक साक्षात्कार है जो एक ईसाई परिवार में पैदा हुए, और बचपन में बढ़ते हुए, एक मिशनरी बनने की लालसा थी, हालांकि, कम उम्र में अपनी प्रतिबद्धता को भूल गए, और सांसारिक सुख के अनुसार जीवन जी रहे थे; इस बीच यीशु के साथ उनकी मुलाकात के बाद बचपन की प्रतिबद्धता वापस आ गई और अब वह एक मिशनरी बनने के लिए प्रशिक्षित हो रहे हैं।

अपने परिवार और बचपन के बारे में बताएं?

मेरा परिवार सी एस आई पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखता है। हम तूतीकोरिन जिले के सेथुंगनल्लूर में रहते हैं। मैं बचपन से वहीं पला-बढ़ा हूँ। मेरे पिता, फेन मैथ्यू, सेथुंगनल्लूर में सेंट जेवियर्स पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रोफेसर के रूप में काम करते हैं। मेरी माँ, एर्लीन मैथ्यू रोज़मेरी हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षिका हैं। मेरा भाई फेनिल इस्साक एबेनेज़र, होरेब एक्सपोर्ट्स कंपनी में एक एक्सपोर्ट मैनेजर है।

मैं बचपन में कार्टून बहुत देखा करता था। इसलिए, मैं छलांग लगाने, कूदने, पेड़ों पर चढ़ने और कई ऐसी चीज़ों में लिप्त था, जैसे मैं स्पाइडरमैन बनना चाहता था और दुनिया को बचाना चाहता था। यह उस स्थिति में था कि मेरे दादा श्री फेन अब्राहम ने मुझे सिखाया कि, यीशु स्पाइडरमैन से बड़े सुपर हीरो हैं, और यीशु एकमात्र सुपर हीरो हैं जिन्होंने आपको, मुझे और इस दुनिया को बचाया। इसलिए, मैंने यीशु की तरह जीने का फैसला किया, वह सुपर हीरो जिसके बारे में मेरे दादाजी ने बताया था।



अच्छा... तो, एक ईसाई परिवार में पैदा होने के कारण आपने बचपन में यीशु को स्वीकार किया है... हमें अपने प्रारंभिक ईसाई जीवन और स्कूली शिक्षा के बारे में बताएं?

प्रार्थमिक पाठ्यशाला में पढ़ते समय मैं बहुत लड़ता था। मेरा जी पढ़ने में बिल्कुल न लगता था। मैं लगातार कार्टून और स्पाइडरमैन में बना रहा।

मेरे दादाजी बचपन में मुझे यीशु के बारे में साफ़-साफ़ पढ़ाते थे। जब मैंने अपनी तीसरी कक्षा के दौरान कक्षा में अपना

परिचय दिया, तो मैंने परिचय दिया, “मैं जेनिल मैथ्यू हूँ और मैं एक मिशनरी हूँ।”

इसका कारण यह है कि हमारे चर्च के पादरी ने रविवार को हमें एक गीत के इतिहास के बारे में बताया “मैंने यीशु का अनुसरण करने का फैसला किया है।” अब मेघालय, असम की जनजाति नोक्सिंग गारो के विश्वास ने मेरे दिल को उत्तेजित कर दिया। फिर, मैंने अपने दिल में फैसला किया कि मैं उनकी तरह एक मिशनरी बनूंगा।

मैंने अपने निर्णय को अपने दादाजी के सामने व्यक्त किया और उनसे मुझे वह गीत सिखाने के लिए कहा। उन्होंने मुझे साधु सुंदर सिंह के बारे में बताकर खुश किया, जिन्होंने “नोक्सिंग का अंतिम शब्द” गीत गाया था। मैंने इस प्रतिबद्धता के साथ गीत सीखा कि मैं जीऊँ या मरूँ, सब यीशु के लिए है। बाद में मेरे दादाजी ने साधु सुंदर सिंह की कहानियाँ सुनाकर मेरा पालन-पोषण किया। यह मेरा बचपन का जीवन था।



भाई जेनिल मैथ्यू

बढ़िया... कम उम्र में मिशनरी प्रतिबद्धता... क्या आप अपनी युवावस्था में इसे आगे बढ़ाने में सक्षम थे?

मेरे दादाजी की मृत्यु के बाद मैंने धीरे-धीरे अपना ध्यान हटाना शुरू कर दिया। फुटबॉल खेलने में मेरी गहरी रुचि विकसित हुई। मैंने अपना अधिकांश समय लियोनेल मेस्सी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और आर. काका जैसे फुटबॉल खिलाड़ियों के बारे में सोचते हुए भारतीय टीम के लिए खेलने की सोच में बिताया। इसके अलावा, मैंने अपने पिताजी के साथ 10वीं कक्षा के बाद स्पोर्ट्स हॉस्टल में शामिल होने के लिए लड़ाई लड़ी और यहां तक कि इसके लिए भी चुना गया। इसके अलावा, मैंने अपने पिता को चयन से पहले पैरों में कमज़ोरी के बारे में नहीं बताया, क्योंकि वह मुझे वहां शामिल नहीं होने के लिए कहेंगे। इसलिए, मैंने कमज़ोरी छुपाई और चयन के लिए गया। मैं 20 प्रतिशत भी नहीं खेल सका। साथ ही मेरा नाम चयन सूची में नहीं था। इसलिए, मुझे यीशु से थोड़ी सी घृणा हो गई। लेकिन, मैं कहा करता था कि, यीशु ही मेरा सब कुछ है। इसके अलावा, मैंने रोज़मेरी मैट्रिकुलेशन स्कूल, पलायमकोट्टुई में अपनी 11वीं और 12वीं कक्षा में प्रवेश लिया और बिना किसी दिलचस्पी के पढ़ाई की। फिर भी, मैंने जो प्रश्न पढ़े थे, वही बोर्ड परीक्षा में पूछे गए थे। यीशु ने मुझे अच्छे ग्रेड दिए और मुझे सफल बनाया।

उत्तम ... आपने स्कूली शिक्षा पूरी की... आपकी कॉलेज जीवन कैसी थी?

मैंने बी एस सी विजुअल कम्युनिकेशन लिया और मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में पढ़ाई की। फुटबॉल के प्रति मेरी जो इच्छा थी वह फोटोग्राफी की ओर मुड़ने लगी। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बनने पर मेरा केंद्र बदल गया था। जब मैं पढ़ रहा था, मैंने हिरन, वहाँ पर आने वाले पक्षियों और प्रकृति की तस्वीरें लेना शुरू किया। चूंकि इसने मुझे एक तरह की खुशी दी, इसलिए मैं रोज़ सुबह अपना डी.एस.एल.आर कैमरा लेकर कॉलेज के अंदर जाता था। मैं फोटो के पीछे पागल हो जाता था। लेकिन, मैं



अपनी स्वर्गीय बुलाहट के बारे में भूल जाने के बावजूद यीशु मेरे लिए सब कुछ है कहता था। मैं अपने दोस्तों के साथ शहर में घूमता और खुश रहता। जैसा कि मेरे माता-पिता ने सुझाव दिया था, मैं हर दिन नीतिवचन से एक अध्याय पढ़ता था। इसलिए, यीशु ने मुझे धूम्रपान, शराब और ड्रग्स जैसी बुरी आदतों से बचाया। हालाँकि, मैं बाइबल की सच्चाइयों से अनभिज्ञ था। मेरा जीवन एक अंधे आदमी और एक भेड़ की तरह चल रहा था जो अपनी दिशा नहीं जानता था।

ठीक है... आप एक ऐसे बिंदु पर आ गए थे जहां आपकी मिशनरी दृष्टि / ध्यान खो गया था और यह केवल फोटोग्राफी थी ... क्या आप कॉलेज में पवित्र रहने में सक्षम थे?

दूसरे वर्ष में तीसरे सेमेस्टर तक कॉलेज अच्छा चल रहा था। इसके बाद एक अलग विभाग की दो लड़कियों का मुझसे परिचय हुआ। मुझे एक लड़की बहुत अच्छी लगी। मैं जब भी उसे देखता था तो मुझे धीमी गति का अहसास होता था और वह मुझे स्पाइडरमैन की अभिनेत्री जैसी लगती है जो मैंने बचपन में देखी थी। मैंने इस बारे में अपनी मां को सूचित किया। मेरी माँ ने कहा, यह बाइबिल के विरुद्ध है, “मैं नियत समय में तुम्हारी शादी उस लड़की से करवा दूंगी।” फिर भी, उसके बारे में और जानने के लिए, मैंने दूसरी लड़की से बात करना शुरू कर दिया। मेरी सारी रातें फोन पर उससे बातें करने में ही बीत गईं। अपनी जानकारी के बिना, मैं उसे पसंद करने लगा। अगर मैं उससे एक दिन भी बात नहीं करता या उसे मैसेज नहीं करता तो मुझे चिंता होती। ऐसे में मेरे दोस्त भी डेट कर रहे थे। उन्होंने मेरे दिमाग में एक बीज बो दिया था कि डेटिंग करना कोई गलत बात नहीं है। मेरे दोस्तों ने कहा, हम चाहें तो शादी कर सकते हैं। यह सब जानने के बाद, एक अच्छी रात, मैं उसे यह कहते हुए एक लिखित संदेश भेजा कि मैं उससे प्यार करता हूँ। कई दिन बीत गए।

ठीक है... कॉलेज में प्यार खिल गया ... परमेश्वर के साथ आपका रिश्ता कैसा था?

यीशु के साथ मेरा रिश्ता टूट गया और मेरा दिल उस लड़की से जुड़ गया। मैंने इस बारे में परिवार में किसी को नहीं बताया। मैंने बाइबल पढ़ना बंद कर दिया। कॉलेज परिसर के अंदर घूमना हमारी आदत थी। इसी तरह एक दिन चलते हुए मैंने उसका हाथ किसी फिल्म की तरह पकड़ रखा था। हॉस्टल पहुंचने के बाद मैंने अपने दिल में एक आवाज सुनी, “आप जो कर रहे हैं वह गलत है।” हालांकि, मैंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इस बुरी बात को भूलने के लिए मैं बुरी फिल्में देखने लगा। मैं वही पाप करने लगा

जो सातवीं कक्षा के मेरे मित्र ने मुझे करना सिखाया था। मैं उसी पाप में पड़ गया जिससे परमेश्वर ने मुझे छुटकारा दिया था। मुझे पता था कि परमेश्वर मुझे मुक्ति दे सकते हैं। लेकिन, मुझे सच्चाई का पता नहीं था। इसी तरह लड़की के लिए ऐसे कई गलत काम करने के बाद मैं रात में घुटने टेककर आंसू बहाकर माफ़ी मांगता था, लेकिन इस पापमय जीवन शैली से मुक्ति नहीं मिली। एक दिन, मत्ती 7:21-23 के आयतों को पढ़ने और मनन करने के बाद, मैंने परमेश्वर से प्रार्थना करना शुरू किया कि मुझे पाप से मुक्ति चाहिए। कुछ दिनों बाद, एक रात, बाइबल पढ़ते समय, नीतिवचन 6:27, और नीतिवचन 5:18 के आयतों ने मुझसे बात करना शुरू किया। जब मैंने शास्त्रों को पढ़ा तो मुझे पता चला कि डेटिंग और व्यभिचार करना एक ही है।

(मत्ती 5:28)। इसलिए मैं यीशु और शास्त्रों के साथ संबंध नहीं बना सका। मुझे साधु सुंदर सिंह का एक किस्सा याद आया जो मेरे दादाजी ने मुझे बताया था जब मैं छोटा था। “एक बार एक छोटे बच्चे ने अपने कमरे की सफाई करते हुए, मकड़ी के जाले को धूल चटाने और मकड़ी को न मारने के बाद पूछा, मेरा कमरा अभी भी अशुद्ध क्यों है? उसे कहा गया था, पहले मकड़ी को मारो फिर कमरा साफ़ हो जाएगा। इसी तरह मकड़ी को उन अभिलाषाओं के समान जो तुम्हारे भीतर हैं तुच्छ जानो, तब तुम्हारा मन शुद्ध होगा; यीशु उसमें निवास करेगा” (गलातियों 5:24, 1 तीमथियुस 2:22)। मैंने इस सच्चाई को जानने के

बाद खुद को पूरी तरह से यीशु के हवाले कर दिया। मुझे इस पद के अनुसार मुक्ति मिली “और तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।” (यूहन्ना 8:32)

बढ़िया... आपने पीछे खिसकने के बाद यीशु के साथ अपने रिश्ते को नया किया... क्या आप उसके बाद उसमें बने रहने में सक्षम थे?

मैंने लड़की से माफ़ी मांगी और यह कहकर उससे बात करना बंद कर दिया, “मैंने जो किया वह गलत था। मुझे बाइबल के अनुसार जीना चाहिए। मुझे क्षमा करें।” कुछ तर्कों के

बाद अंत आ गया था। फिर भी मैं उसे भूल नहीं पाया। मैं उसके बारे में पूछताछ करने लगा। तभी, नीतिवचन 3:5-7 के छंदों ने मुझे यह कहते हुए चेतावनी दी कि मैं स्वयं पर निर्भर न रहूँ बल्कि बाइबल में बने रहूँ। जब से मैंने उससे फिर से बात करना शुरू किया, तर्क-वितर्क होने लगे और मैं सच भूल गया। बाइबल मुझे यह कहते हुए फटकारने लगी, “लूट की पत्नी को याद करो। पीछे मुड़कर मत देखो। यदि तुम पीछे मुड़कर देखते हो, तो यह नमक का खंभा होगा।” इसलिए इसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सभोपदेशक 12:1 पद के अनुसार, मैं परमेश्वर के निकट आ गया। मेरा जीवन बदल गया कि यीशु ने उसकी जगह ले ली और बाइबिल ने मेरे सेलफोन की जगह ले ली।

आपके और यीशु के बीच एक रिश्ता बन गया... आपने पुराने पापों को कैसे दूर किया?

मैंने जो पाप किए हैं, उन्हें अपनी आंखों के सामने लाकर शैतान ने मुझे तीन महीने तक डरा दिया। मैंने बाइबल पढ़ना जारी रखा और इस विश्वास के साथ प्रार्थना करने लगा कि यीशु ने मेरे पापों को क्षमा कर दिया है। उन दिनों भाई जैक पोत्रेन की किताब पढ़ने के बाद मुझे बाइबल की कुछ और सच्चाइयाँ पता चलीं। मुझे पता चला कि, “जब हम पूर्ण प्रेम को देखना शुरू



करते हैं, तो प्रेम का छोटा अंश लुप्त हो जाएगा।” शैतान ने मेरे पुराने पापों को दिखाकर मुझे थका देने की कोशिश की। उन सभी समयों में, जब मैं कहता हूँ, “मैं यीशु के खून से धर्मी हूँ”, वह मुझसे दूर भाग जाएगा। जब मैंने यह सत्य जान लिया कि यीशु के प्रेम का कोई मुकाबला नहीं, शैतान मुझे यीशु से अलग नहीं कर सका।

आपको सच्चाई के बारे में पता चल गया... और आप परमेश्वर की संतान बन गए हैं... अब आप क्या कर रहे हैं?

मैंने अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद पूर्णकालिक सेवकाई करना शुरू किया। उस समय, प्रभु ने मुझे मिशनरी बनने के मेरे बचपन के निर्णय की याद दिला दी। अब मैं भारतीय मिशनरी सोसायटी के माध्यम से एक मिशनरी प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा हूँ। “जिसने मुझे बुलाया वह वफ़ादार है”, वह मेरे बचपन में किए गए निर्णय को नहीं भूला है और मुझे एक मिशनरी के काम के लिए लाया है। जो प्रभु इच्छा करे वह बाधित नहीं हो सकती” मैं परमेश्वर की उपस्थिति में पूर्ण आनंद के साथ अपना प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा हूँ।

आप युवाओं से क्या कहना चाहेंगे?

सबसे पहले, यदि आप स्वीकार करते हैं कि आप जो कर रहे हैं वह पाप है, तो आपकी 90% मुक्ति प्राप्त हो जाएगी। अपने

आप पर निर्भर हुए बिना, बाइबल की सच्चाइयों में बने रहें। शास्त्रों का पाठ करें और प्रतिदिन प्रार्थना करें। प्रतिदिन प्रार्थनापूर्वक एक नीतिवचन पढ़ें और उसके अनुसार जीने के लिए यीशु की सहायता लें। “जब तू यहोवा को अपना चरवाहा बनाए, तब तुझे घटी न होगी।” केवल, जब हम यहोवा की भेड़ बन जाते हैं, तो प्रभु हमारा चरवाहा हो सकता है। साथ ही, जब हम बाइबल की सच्चाइयों का पालन करते हैं, तभी हम परमेश्वर की भेड़ बन सकते हैं। अपना समय बाइबल पढ़ने और प्रार्थना करने में लगाएँ। संसार की अभिलाषाओं से दूर भागो (1 यूहन्ना 2:15-17; 2 तीमुथियुस 2:22)। स्वीकार करें और उन सभी पापों और अधर्मों को छोड़ दें जिन्हें आपने यीशु के लिए छिपाया है। उसकी कृपा आपको घेर लेगी, “यदि तुम उसके अनुग्रह में हो, तो पाप तुम पर हावी नहीं होगा।”

प्यारे नौजवान! भाई जेनिल मैथ्यू की गवाही देखकर, हमें कोई संदेह नहीं है कि यह हमारे अनुरूप होगा। जब हम यीशु के सामने किसी भी प्रकार के पापों को स्वीकार करते हैं और आत्मसमर्पण करते हैं, तो वह उन सभी पापों को क्षमा कर देगा और उद्धार करेगा और आपको परमेश्वर का सेवक बना देगा। जब आप इस पद के अनुसार अपने सभी पापों को स्वीकार करते हैं, “जो अपने पापों को छिपा लेता है, उसका कार्य सुफल नहीं होता, परन्तु जो उन्हें मान लेता है और छोड़ देता है, उस पर दया की जाएगी”, परमेश्वर आपके पापों को क्षमा कर देगा और आपको परमेश्वर के एक महान सेवक के रूप में बदल देगा! दोषी विवेक के साथ मत जियो, इसके बजाय अपने पापों को यीशु के सामने स्वीकार करो और छुटकारा पाओ!

यीशु छुड़ाते हैं



**YOUTH
WORLD**



You Tube



प्रत्येक शनिवार सथियम टीवी पर सुबह 6:30 बजे
और सुबह 7 बजे यूट्यूब और कंफर्टर टीवी पर

प्रिय युवाओं अपने मित्रों को इस कार्यक्रम से परिचित
करवाएं और नीचे दिए गए नंबर पर हमें अपने द्वारा प्राप्त
की गई आशीषों के बारे में बताएं

9750955548



क्रुस का

काम करने के लिए दौड़ें

Heart Beat

मैंने कॉलेज से ग्रेजुएट किया है और वर्तमान में एक नए करियर के अवसर की तलाश में हूँ। इसलिए, मैं टैक्ट सेवकाई कर रही हूँ और जितना हो सकता है प्रचार कर रही हूँ। इससे मुझे अपार खुशी मिलती है। मैं हमेशा अकेली जाती हूँ और ऐसे लोगों तक पहुंचती हूँ जो चिंतित, उदास और अकेले हैं। मेरे सामान्य स्थान बस स्टैंड, मॉल, समुद्र तट और ट्रेन स्टेशन हैं। हाल ही में, मैं ऐसा करने से अवकाश पर रही हूँ। इसका कारण यह है कि मेरे माता-पिता इस विचार से सहमत नहीं हैं कि मैं अकेले इस सेवकाई करूँ। उन्होंने कहा कि मैं अपने साथ एक दोस्त को ले जा सकती हूँ। लेकिन मेरे ज़्यादातर दोस्त या तो कॉलेज में हैं या काम पर हैं इसलिए इन समयों में मेरे साथ जुड़ना उनके लिए असंभव है। इस वजह से, मेरे दिल में एक खिंचाव है जो मुझे उदास और चिंतित महसूस कराती है। कभी-कभी मेरे माता-पिता दिल दहला देने वाली शब्द कहते हैं जैसे "आप संत नहीं हैं! आपकी सेवा का उद्देश्य क्या है?" यह मेरा दिल तोड़ देता है और मेरी आत्मा को कुचल देती है। मुझे इस तथ्य से तौला जा रहा है कि मैं एक तरफ परमेश्वर के लिए काम करने में सक्षम नहीं हूँ और मेरे साथ सेवा करने के लिए कोई नहीं होने की पीड़ा है। हालात को बदतर बनाने के लिए, मेरे माता-पिता की निराशा और उनके तीखे शब्द मेरे दुःख को बढ़ा रहे हैं। क्या परमेश्वर की सेवा करने की यह इच्छा रखना मेरे लिए ग़लत है या मुझे बिल्कुल भी काम नहीं करना चाहिए? कृपया मेरी मदद करें! आशा, चेन्नई



प्रिय बहन आशा! मैं आपके उत्साह और सुसमाचार फैलाने के लिए आपको जो बोझ है, उसके लिए मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूँ। हालाँकि, मैं यह समझता हूँ कि यह तथ्य कि आप अपने माता-पिता के शब्दों से आहत हैं और आपका साथ देने के लिए कोई मिल नहीं है, यह आपके परिवार में ग़लतफ़हमी पैदा कर रहा है।

आशा! 1 कुरिन्थियों 9:16 में पौलुस कहते हैं, "मैं प्रचार करने के लिए मजबूर हूँ" इसलिए सुसमाचार को साझा करना हमारा कर्तव्य है। कई बार, हम अपने कर्तव्यों का पालन करने में असफल हो जाते हैं और हम प्रभु की आज्ञाओं का पालन भी नहीं करते हैं!

"इसलिये जाकर सारी जातियों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो" (मती 28:19)। यह हमारा प्रधान आदेश है। रोमियों 10:14 कहता है, "फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, उसका नाम वे कैसे ले सकते हैं? और जिस की नहीं सुनी उस पर विश्वास कैसे करें? और बिना किसी को उपदेश दिए वे कैसे सुन सकते हैं?"

केवल सुसमाचार के माध्यम से, लोगों बचते हैं, उनके पापों से मुक्त होते हैं और परमेश्वर के बच्चों में परिवर्तित होते हैं! आप के सुसमाचार बाँटने से

प्रभु के हृदय में आनन्द आता है। इसलिए प्रभु की सेवा करने से परहेज़ न करें, इसके बजाय सोचें कि आप इसे प्रभावी ढंग से कैसे कर सकते हैं।

माता पिता का प्रेम

► आपके माता-पिता आपको अकेले बाहर जाने की अनुमति नहीं देते हैं, जिसका एकमात्र कारण की वे आपकी सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं।

► यह कहा जा सकता है कि बालिकाओं के लिए सुरक्षा की कमी सभी माता-पिता की चिंता और भय है।

► वे आपकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं और यही कारण है कि वे आपको अकेले बाहर जाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

► जब वे आपको एक दोस्त के साथ जाने के लिए कहते हैं, तो यह स्पष्ट रूप से बताता है कि आपके प्रति कितना प्यार है।

कैसे अपने सेवकाई को अधिक कुशलता से आगे बढ़ाएं?

► प्रार्थना करें और आपका समर्थन करने के लिए एक मित्र खोजें।

► उसके साथ प्रार्थना में शामिल हों, भले ही आप व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पा रहे हों, फोन द्वारा प्रार्थना करें। कॉन्फ्रेंस कॉल/ज़ूम मीटिंग जैसी तकनीक की सहायता के साथ, प्रार्थनाएं बहुत आम हो गई हैं। यह बिल्कुल भी प्रार्थना न करने से बहुत बेहतर है।

► जब आप प्रार्थना करते हैं, तो आपके मित्र के भीतर सुसमाचार और आत्मा के लिए एक बोझ बन जाएगा।

► प्रार्थना करते समय, अपने शहर में प्रतिदिन घटने वाली अशांतकारी घटनाओं के प्रति सचेत रहें जो हम मीडिया में देखते हैं। अखबार की सभी घटनाओं को प्रार्थना पत्र में बदल दें और प्रार्थना करें।

► इसके अलावा, आप दोनों रविवार को प्रार्थना के साथ ट्रेक्ट बांट सकते हैं।

► इसके अलावा, ऐसा करके आप अपने माता-पिता द्वारा निर्धारित सीमाओं का पालन कर रहे हैं, जो उन्हें खुश करता है।

► अपने सेवकाई को कभी बंद न करें।

► यदि आपका मित्र आपसे जुड़ने में असमर्थ है, तो अपने पिता या अपने भाई-बहन को लेने का प्रयास करें।

► सुसमाचार के लिए आपका बोझ आपके मित्रों और परिवार के लिए साहसी होगा। यह पुनरुत्थान की आग को प्रज्वलित करेगा और परमेश्वर का कार्य निरंतर जारी रहेगा! कार्य करना जारी रखें! आपको कोई रोक या विरोध नहीं कर सकता!

यदि केवल इस्राएल से सीरिया ले जाई गयी छोटी लड़की एक गुलाम लड़की बनी रहती, तो सेना का सेनापति नामान कभी भी यहोवा के चमत्कारी शीर्षक का अनुभव नहीं कर पाता! 2 राजा 5:1-5

इसलिए साहसी बनें! पवित्र के प्रेम की घोषणा करें !



थकान

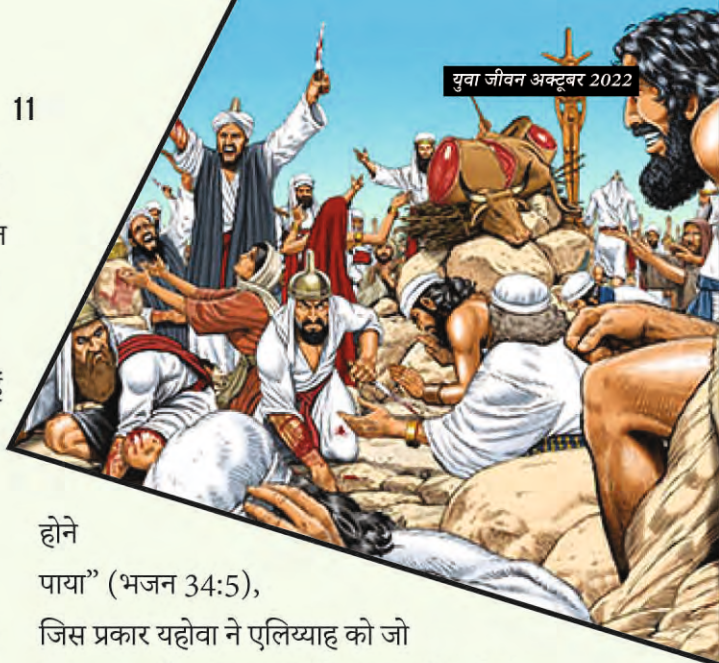
जब आप थोड़ा आराम लेते हैं बिना विराम के दौड़ते हुए और आलसी होने में, जब कुछ न कर रहे हों, तो इनमें बहुत अंतर है। आराम एक विराम है उस काम में जो आप अब तक कर रहे हैं। लेकिन थकान हमें अगले स्तर पर जाने से रोकती है बिना यह सोचे कि हम आगे क्या करने जा रहे हैं। हम कह सकते हैं कि थकान का कारण निराशा, असफलता और जीवन में लोगों की बातें हैं। बिजली के बल्ब को खोजने में हजार बार असफल होने के बावजूद, थॉमस अल्वा एडिसन अपने जीवन की असफलता से निराश नहीं हुए। इसके विपरीत, उन्होंने उत्तर दिया, “मैं एक हजार बार असफल नहीं हुआ, पर मैं एक बिजली के बल्ब को खोजने के लिए एक हजार कदम चला।” हमारा मन, जो सफलता को देखकर उत्तेजित हो जाता है, असफल होने पर थक जाता है। सफलता उत्साह देती है, लेकिन असफलता बुद्धि देती है।

पी.वी. सिंधु ने 2022 कॉमनवेल्थ बैडमिंटन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता और सभी भारतीयों का दिल जीता। उन्होंने 2009 से बैडमिंटन खेलना शुरू किया और

2016 का “रियो ओलंपिक” उनके जीवन का एक अविस्मरणीय मैच था। वह बैडमिंटन स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बर्नी और ओलंपिक में भारत के लिए रजत पदक जीतने वाली पहली महिला बर्नी, हालांकि वह इस प्रतिस्पर्धा में कैरोलिना मारिन से हार गई, एक साहसी कार्य जिसमें उन्हें कई हार का सामना करना पड़ा। वह कई बार प्रतिस्पर्धा के कगार पर जा चुकी हैं और उन्होंने हार देखी है। एक तरफ, लगातार विफलताएं, दूसरी तरफ, जो लोग यह कहते हुए मज़ाक उड़ाते हैं, “क्या आप स्वर्ण पदक जीतेंगे? या नहीं?” सिंधु ने यह सब देखने की कोशिश की और शक्तिहीन होने के बजाय खुद को प्रोत्साहित किया और खेलना शुरू कर दिया। उसने महसूस किया कि विफलता स्थायी नहीं है और 2018-2019 विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उसने सभी हार का अंत कर दिया। इसके अलावा, उसने 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता और सभी का ध्यान खींचा।



इस जीत के साथ सिंधु ने अपने सभी विरोधियों को चुप करा दिया। अपने जीवन में आने वाली असफलताओं से निराश न हों। जब भी असफलताएं और निराशाएं आएँ और आपको थका दें, तो प्रभु की ओर देखें। क्योंकि वह यहोवा है “जो निर्बलों को सामर्थ्य देता है, और जिन के पास बल नहीं है उन्हें बल देता है” (यशायाह 40:29)।



एलिय्याह, जिसने कर्मेल पर्वत पर बाल के 450 भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला और ईज़ेबेल की मेज़ पर खाने वाले मूर्तियों के कुंज के 400 भविष्यद्वक्ताओं को, जो यहोवा से पीछे हट गए थे, उन्हें यह कहते हुए बदल दिया। “यहोवा ही परमेश्वर है, यहोवा ही परमेश्वर है,” परन्तु जब उसने ईज़ेबेल की ये बातें सुनीं, कि वह उसे तलवार से मार डालेगी, तो वह अपने प्राण बचाने के लिए जंगल की ओर दौड़ा। वहां वह झाड़ू के पेड़ के नीचे लेट गया और विलाप करने लगा, परन्तु यहोवा ने एलिय्याह को जो थका हुआ था, न छोड़ा, उस ने अपने दूत को भेजकर उसको बल दिया, और परमेश्वर के दिए बल से वह फिर अपनी सेवा करने लगा।



हो सकता है कि आप अपने अध्ययन या काम के स्थान पर मनुष्यों की बातों को सुनकर थक गए हैं, या आप अपने ही परिवार के शब्दों के कारण टूट गए हैं, और जिस जीवन की आपने आशा की थी वह आपके साथ नहीं हो रहा है। प्रभु के चेहरे को देखो, जब आप अपने जीवन में कुछ इस तरह की विफलता से परेशान हैं। वचनों के अनुसार, “और जिन्होंने उसकी ओर दृष्टि की उन्होंने ज्योति पाई और उनका मुंह कभी काला न

होने

पाया” (भजन 34:5),

जिस प्रकार यहोवा ने एलिय्याह को जो थका हुआ और अशक्त था, जिलाया, और उसे फिर दौड़ाया, वह आपको भी आपके भाग्य तक पहुँचने के लिए बलवंत करेगा। जब हम अपने जीवन में संघर्षों और

असफलताओं का सामना करते हैं, तो शैतान हमें और हमारी आत्मा को थका देता है। परन्तु “यहोवा थके हुआओं को तृप्त करता, और सब दुःखी लोगों के प्राण को भर देगा” (यिर्मयाह 31:25)

मेरे प्यारे नौजवानों! क्या आप अपने जीवन में निराशाओं और असफलताओं से थक चुके हैं? क्या आप हर रोज़ अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं? तो घबराएं नहीं! जीवन में आप कितने भी संघर्ष और कष्टों का सामना करें, थकान का कारण न बनने

दें। स्वीकार करें कि “जो मुझे सामर्थ्य देता है, उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ” (फिलिप्पियों 4:13)।

आपकी थकान दूर होगी और आप नई ताकत से भर जाएंगे। सभी परिस्थितियों में यीशु की ओर देखें, और वह आपको मज़बूत करेगा!

प्रभु को खोजो



शुद्ध मन से



“धन्य हैं वे जिनके मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे” (मत्ती 5:8)। जब हम प्रार्थना करते हैं तो परमेश्वर हमारा चेहरा नहीं देखते हैं। वह हमारे दिल को देखता है, लेकिन मनुष्य चेहरा देखते हैं। हमारा प्रभु वह है जो हमारे दिल की सोच को जांचता है, हमारे दिल में किस तरह के विचार आते हैं और हमारा दिल कैसा है। प्रभु दिल को क्यों देखता है? बाइबल कहती है, “मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोखा देनेवाला होता है, उसमें असाध्य रोग लगा है” (यिर्मयाह 17:9)। इसलिए परमेश्वर हमारे हृदय को जांचता है। “तेरे अधर्म के कामों ने तुझे तेरे परमेश्वर से अलग कर दिया है; और तेरे पापों ने उसके मुख को तुझ से ऐसा छिपा रखा है, कि वह न सुनेगा” (यशायाह 29:1,2)। तुम पूरे और हताश मन से यहोवा को ढूँढ़ते हो, परन्तु अपने पाप को पकड़े हुए उसकी खोज करते हो। प्रभु आप के पास है लेकिन आप उसे देखने में असमर्थ हैं, उसका सामना नहीं कर सकते, उसे नहीं सुन सकते क्यों? क्योंकि आपके पाप उसके चेहरे को छिपा देता है।

डॉक्टर आमतौर पर हमारे दिलों को स्कैन करते हैं और हमें बताते हैं कि एक आदमी का दिल कैसे काम करता है और कैसे धड़कता है। हम इसे देख सकते हैं।

लेकिन क्या डॉक्टर स्कैन करके अंदर के पापों को दिखा सकता है? केवल वह पवित्र आत्मा ही कर सकता है। हमें आत्मा को जाँचने के लिए जगह बनानी चाहिए। भजनकार कहता है, “हे परमेश्वर, मुझे जांच कर जान ले; मुझे परखकर मेरी चिंताओं को जान ले, और देख, कि मुझ में कोई बुरी चाल है या नहीं, और अनंत के मार्ग में मेरी

अगुवाई कर” (भजन संहिता 139:23,24)। जब पवित्र आत्मा हमारे हृदय की जाँच करता है, तो हम जानेंगे कि क्या हम अपने अंदर अभिमान, जलन, वासना और क्रोध रखते हैं। बाइबल कहती है, “क्योंकि भीतर से, अर्थात् मनुष्य के मन से, बुरे बुरे विचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन, लोभ, द्वेष, छल, लुचपन, कुदृष्टि, निंदा, अहंकार और मूर्खता निकलती है। ये सभी बुराइयाँ भीतर से निकलती हैं और मनुष्य को अशुद्ध करती हैं” (मरकुस 7:21-23) और ये वे पाप हैं जो यीशु के मुख को छिपाते हैं।

उनका पता कैसे लगाएं? हमें स्वयं को परमेश्वर की उपस्थिति में आत्मसमर्पण करने की आवश्यकता है और पवित्र आत्मा को हमारी जांच करने की अनुमति देनी चाहिए। वह आपसे उन पापों को स्वीकार करने के लिए कहेगा जो आत्मा आपको दिखाता है। अपनी सेवकाई के शुरुआती दिनों में, एक दिन मैं उपवास कर रहा था और हमेशा की तरह धर्मोपदेश के लिए प्रार्थना कर रहा था। एक या दो घंटे बीत गए, लेकिन मैं प्रभु की उपस्थिति को महसूस नहीं कर सका। मुझे यह महसूस भी नहीं हो रहा था कि प्रभु मेरे निकट हैं। प्रभु



अपनी उपस्थिति को महसूस कराए बिना मुझसे कैसे बात कर सकते हैं?

मैं उसकी आवाज़ कैसे सुन सकता हूँ? मेरे अंदर एक बड़ी दुविधा थी। मैंने स्तुति, गाना और प्रार्थना करना शुरू किया लेकिन मुझे कोई बदलाव नहीं मिला। यह महसूस किया कि कुछ गलत हो गया है। मैंने प्रभु से पूछा, “प्रभु, आप मुझसे बात करने से इनकार क्यों कर रहे हैं? मैं आपकी उपस्थिति को महसूस क्यों नहीं कर सकता? मैं आपके बिना बोले कैसे प्रचार कर सकता हूँ? कृपया मुझसे बोलो प्रभु।” दो घंटे

के बाद प्रभु ने बोलना शुरू किया। प्रभु ने कहा कि यद्यपि आप बचाए गए हैं, अभिषिक्त हैं, अन्य भाषा बोलते हैं, गाते हैं और स्तुति करते हैं, फिर भी आपके हृदय में एक कड़वाहट है। उसने मुझसे कहा कि चर्च में मेरे बारे में गलत बोलने वाले एक व्यक्ति से मेरी नाराज़गी है। मैंने उस व्यक्ति से कभी लड़ाई नहीं की और न ही बहस की।

लेकिन जब भी मैं उसे देखता हूँ, तो मेरे मन में हमेशा यही कड़वाहट रहती है कि वह वही है जिसने मेरे बारे में गलत बात की। जब परमेश्वर ने मुझ में इस बात की ओर इशारा किया, तो मैंने इसे अपने दिल की गहराई से महसूस किया और प्रभु के सामने स्वीकार किया। परमेश्वर ने मुझे उस व्यक्ति के साथ जाकर मेल-मिलाप करने को कहा। करना एक कठिन कार्य था। लेकिन चूंकि मैं चाहता था कि प्रभु

मुझसे बात करें, मैं उस व्यक्ति के घर गया और दरवाज़ा खटखटाया। जब उसने दरवाज़ा खोला, तो उसने गुस्से से मुझसे पूछा, “तुम क्यों आए हो?” मैंने कहा, “मुझे माफ़ कर दो!” हमने कभी आपस में लड़ाई नहीं की और न ही कभी बहस की। लेकिन हमारे दिल की गहराई में हम दोनों जानते हैं कि भीतर एक विभाजन है। मैंने उनसे माफ़ी मांगते हुए कहा कि “मुझे तुमसे कोई शिकायत है, मुझे माफ़ कर दो।” उसने मेरा हाथ थाम लिया और रोने लगा। प्रभु ने फिर से हमारे बीच एक अच्छी संगति का निर्माण किया।

जब मैं घर लौटा और प्रार्थना करने के लिए घुटने टेके, तो प्रभु ने नीचे आकर मुझसे कहा, “चूंकि तू ने मेरी बात मानी है, मैं आकर आज सभा में लोगों के बीच खड़ा होऊंगा” और होने वाले चमत्कारों को प्रकट किया। जैसा उसने कहा था, वैसा ही यहोवा ने बड़े-बड़े चमत्कार किए। प्रभु तब बोलते हैं जब पवित्रता होती है जिसकी प्रभु अपेक्षा करते हैं।

अपने आप को पवित्रता के लिए प्रतिबद्ध करें ताकि यह आपके कार्यस्थल, घर और गलियों में नष्ट न हो। धन्य हैं वे जो हृदय के पवित्र हैं। जब हम प्रेरितों के काम 2:46,47 को पढ़ते हैं, तो लिखा है

कि प्राचीन कलीसिया के विश्वासी अपने हृदयों में आनन्दित और शुद्ध थे। वे दूसरों के बारे में नहीं बोलते हैं। उनमें ईर्ष्या नहीं है। वे दूसरे व्यक्ति के बारे में बुरी बात करना नहीं जानते थे। वे हृदय के पवित्र थे। इसलिए परमेश्वर उनके साथ था और उनके पुनरुत्थान के लिए उनका भरपूर उपयोग किया।

प्रभु चाहता है कि हम बच्चों की तरह बनें। हालाँकि बच्चे एक पल के लिए लड़ते हैं, लेकिन अगले ही पल वे एक-दूसरे का हाथ थामे खड़े हो जाते हैं। बच्चे पवित्र होते हैं। हमारे अंदर ऐसा दिल चाहिए। जब हम परमेश्वर के वचन का ध्यान करते हैं, तो हमें पता चल जाएगा कि हमारे अंदर कितने पाप हैं। हमें पता चलेगा कि हमें कितना शुद्ध

होना चाहिए। ऐसे शुद्ध हृदय के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें और मांगें। अपने दिल की जाँच करें और पवित्र आत्मा को भी जाँचने दें। पवित्र आत्मा के प्रकाश में स्वयं को जाँचें। बहुत सी बातें जो संसार की दृष्टि में सही हैं, परमेश्वर की दृष्टि में गलत भी हो सकती हैं। यह परमेश्वर के वचन के अनुसार गलत हो सकता है। हमें उस रोशनी को जगह देनी चाहिए। हमें अपने आप को उस पवित्रता के प्रति समर्पित कर देना चाहिए

और आत्मा को हमें परखने देना चाहिए। तभी हम उसके करीब रह सकते हैं।

मेरे प्यारे नौजवानों! जो मन के शुद्ध हैं, वे परमेश्वर से मिल सकते हैं, प्रभु कहते हैं। अपने दिल को कैसे साफ़ करें? आप कितनी भी कोशिश कर लें, क्या आपको लगता है कि आप कुछ पापों को छोड़ नहीं सकते? केवल यीशु का लहू ही हमारे सारे पापों को धो सकता है। अपना हृदय यहोवा को सौंप दो, क्योंकि वह उसे शुद्ध करेगा। इतना ही नहीं, वह यहाँ तक कहते हैं कि वही एकमात्र हैं जो हमें शुद्ध कर सकते हैं। केवल जब यीशु हमें शुद्ध करते हैं तो हम एक शुद्ध और पवित्र जीवन जी सकते हैं। जब हम उसके लहू से हमें धोने के लिए प्रार्थना करते हैं और उसे अपने हृदय में रहने के लिए आमंत्रित करते हैं, तो वह हमारे हृदय को शुद्ध कर देगा!





बाधाएं जो आपको तीव्र बनाती हैं!

युवा विजेताओं और जो विजय होने का प्रयास करते हैं, उनको शुभकामनाएं और बधाई। कोई भी व्यक्ति जन्म से सफल व्यक्ति नहीं होता है। हर परिस्थिति, परेशानी और असफलता मनुष्य को एक विजेता बदल देती है। हालांकि असफलता और निराशा के आने पर लोग थक जाते हैं और गिर जाते हैं, केवल वे ही जो आत्मविश्वास के साथ उठते हैं, वे ही विजेता बन सकते हैं।

प्रिय पाठक, क्या आप जीवन में कहीं हार गए हैं? चिंता मत करो। निम्नलिखित विजेताओं की जीवन यात्रा आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए है।

कोलबी स्टीवेन्सन का जन्म 3 अक्टूबर 1997 को संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था। जब वह एक बच्चा था, कोलबी के माता-पिता उसे स्काइंग प्रतियोगिता देखने के लिए ले गए। कोलबी इसे देखने के लिए बहुत खुश और उत्साहित था।

उनके उत्साह को बढ़ाने के लिए, उनके माता-पिता ने उन्हें एक स्काइंग स्कूल में दाखिला दिलाया। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, स्टीवेन्सन ने अच्छी तरह से स्काई करना सीख लिया। वह 10 साल की उम्र में स्काइंग के विशेषज्ञ बन गए थे। उन्होंने अनुभवी स्कैयरों से मुलाकात की और उनसे कई तकनीकें सीखीं। उन्होंने

विभिन्न ज़िला स्तरीय स्काइंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया और जीता। स्टीवेन्सन के कोच ने कहा कि यह पर्याप्त नहीं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अलावा, उन्होंने स्टीवेन्सन के आत्मविश्वास को बढ़ाया कि उन्हें ओलंपिक में भाग लेना चाहिए और पदक जीतना चाहिए। उस दिन से स्टीवेन्सन ने ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करना शुरू कर दिया।

जब स्टीवेन्सन के जीवन में सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा था, तो उन्हें अचानक असहनीय स्थिति का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक स्काइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और 'स्कियर ऑफ द वीक' का खिताब जीता। स्टीवेन्सन यह कहते हुए उत्साहित थे, "यह मेरी अब तक की सबसे अच्छी स्काई थी।" उनके साथी स्कियर जॉन माइकल फैब्रीज़ी का उसी घटना में पैर टूट गया था, और इसलिए स्टीवेन्सन ने प्रतियोगिता के बाद उन्हें घर वापस ले जाने की पेशकश की।

फैब्रीज़ी पीछे की सीट पर थे। खेल की थकान और लंबी यात्रा ने स्टीवेन्सन को इतना थका दिया था कि उसे नींद आने लगी थी, उसे गाड़ी चलाना मुश्किल हो रहा था। इसलिए, उन्होंने एक पल के लिए आराम करना और फिर यात्रा जारी रखना समझा। लेकिन इससे पहले कि वह रुक पाता, उसने नियंत्रण खो दिया और कार तेज़ जाने लगी। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, कार सड़क पर कई बार लुढ़क गई और खाई में गिर गई। कार की छत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। नतीजन, स्टीवेन्सन गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर से खून बहने लगा। उनकी खोपड़ी में 30 से अधिक फ्रैक्चर आ गया था। उसका दोस्त फैब्रीज़ी स्वस्थ नहीं था, और उसने तुरंत अस्पताल को फोन किया और बताया कि क्या हुआ। स्टीवेन्सन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया



हालांकि अस्पताल में इलाज शुरू हुआ, लेकिन सिर से लगातार खून बह रहा था। डॉक्टरों ने परामर्श किया और कृत्रिम रूप से कोमा को प्रेरित करने का प्रयास किया। एक प्राकृतिक कोमा का इलाज किया जा सकता है और समय के साथ इसे उलट दिया जा सकता है। लेकिन कृत्रिम रूप से प्रेरित कोमा के कारण आजीवन के लिए दृष्टि खो सकते हैं। इन विकट परिस्थितियों के बावजूद डॉक्टरों ने स्टीवेन्सन की जान बचाने की कोशिश की और इलाज जारी रखा। जब वह तीन दिन बाद उठा, तो सबसे पहले उसने डॉक्टर से पूछा,

“क्या मैं फिर से स्काई कर सकता हूँ?” डॉक्टर ने कहा, “जब आपको अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तो कई लोगों ने कहा कि जीवित रहना मुश्किल है। लेकिन हमारे मेहनती इलाज से आप कोमा से उबरने में सफल रहे, जाग गए और बच गए।” उन्होंने कोल्बी को

आत्मविश्वास से दौड़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। हालाँकि उसने बहुत कोशिश की, पर स्टीवेन्सन मुश्किल से अपने पैरों को हिला सकता था। तीन महीने बीतने के बाद ही वह धीरे-धीरे अपने पैर हिलाने लगा।

छह महीने के लंबे समय के बाद, वह आखिरकार सीधा खड़ा हो सका। फिर वह धीरे-धीरे चलने लगा। इसके बाद वह दौड़ने लगा। वह तेज़ दौड़ने लगा। एक साल बाद ही उन्होंने कठोर प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया। स्रो स्काइंग कोई सामान्य घटना नहीं है। गड्डों को पार करना होगा। पहाड़ों पर चढ़ते और उतरते समय, पैर की थोड़ी सी भी फिसलन से गंभीर चोट लग सकती है। लेकिन इनमें से कोई भी स्टीवेन्सन को नहीं रोक सका। कठोर प्रशिक्षण के बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया और जीत हासिल की। राष्ट्रीय स्तर पर जीतने के बावजूद, चूंकि स्टीवेन्सन का लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण जीतना था, इसलिए उन्होंने अधिक गहन अभ्यास किया। 2022 बीजिंग ओलंपिक शुरू हुआ। स्टीवेन्सन को फ्रीस्टाइल स्कीइंग में संयुक्त राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था। पहले दौर की शुरुआत के कुछ ही समय बाद, स्टीवेन्सन लड़खड़ाने लगे।

इतनी सारी समस्याओं और संघर्षों को सहने के बाद, यह सोचकर कि यह केवल एक शॉट था, और उसे बस एक दिन के लिए सब कुछ सहना था, उसने अपनी सारी ऊर्जा एक साथ खींच ली और तेज़ी से स्काइंग करना शुरू कर दिया और अपने लक्ष्य तक पहुँच गया। लक्ष्य तक पहुँचने के बाद ही स्टीवेन्सन की जान में जान आई। हालांकि उन्होंने दौड़ पूरी की, लेकिन पहले दौर में लड़खड़ाने से उन्हें स्वर्ण हारने और रजत पदक हासिल करने का मौका मिला। यह स्वीकार करना थोड़ा कठिन था

लेकिन एक बार मौत के कगार पर पहुँचकर ओलंपिक में रजत पदक जीतना निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि थी।

कोल्बी ने उल्लेख किया कि, ‘कुछ दिन पहले, लोगों ने कहा’, “यह बहुत बड़ी बात है कि आप बच गए।” फिर जब

मैंने चलना शुरू किया तो उन्होंने कहा, “यह वास्तव में एक आश्चर्य है कि तुम उठे और चल पड़े।” जब मैंने प्रशिक्षण शुरू किया, तो उन्होंने कहा कि, “अभ्यास करना बहुत बड़ी बात है, बस इतना ही, अब और लगातार प्रशिक्षण मत करो।” अब मेरे जीवन के हर चरण में लोग कहते रहे “यह काफी है, काफी है। लेकिन बिस्तर से उठा, चला, दौड़ा, और आज मैं आपके सामने एक विजेता के रूप में खड़ा हूँ। अगर मैं इसे हासिल कर सकता हूँ तो आप भी कर सकते हैं: प्रयास करने पर कुछ भी असंभव नहीं है।

प्रिय युवा विजेताओं! इसे पढ़कर हम जान सकते हैं कि, स्टीवेन्सन की दृढ़ता और आत्मविश्वास ने उसे आगे बढ़ाया जब उसके आसपास के लोगों ने उसे बताया कि वह कुछ नहीं कर सकता। इसने उन्हें अथाह ऊँचाइयों तक पहुँचाया। आप भी कुछ भी हासिल कर सकते हैं, अगर आपके भीतर वही आत्मविश्वास और लगन है।

इसका प्रयत्न करें !! इसे पूर्ण करें !!





इस रेड अलर्ट श्रृंखला में हर महीने, हम परमेश्वर के चुने हुए लोगों के बारे में ध्यान करते हैं जो अपनी गलतियों या पापों के कारण परमेश्वर की बुलाहट और योजना से दूर चले गए।

ये सब हमारे लिए परमेश्वर की चेतावनी की आवाज़ है जो अंत समय में जी रहे हैं। जैसा कि हम इस लेख को पढ़ते हैं, परमेश्वर हमसे अपेक्षा करता है कि हम अपने जीवन के उन क्षेत्रों को पहचानें जहां हमें सही करने और उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है। इस महीने रेड अलर्ट में, आइए हम एक जोड़े के बारे में ध्यान करें जिन्होंने पिन्तेकुस्त के दिन यरूशलेम में बेदारी को देखा और अनुभव किया और फिर भी एक पाप किया जो परमेश्वर के क्रोध को लाया। वे हनन्याह और सफ़ीरा हैं। आइए देखें कि उन्होंने इस हद तक क्या किया कि परमेश्वर का क्रोध उन पर आ गया।

स्वार्थ!

पिन्तेकुस्त के दिन से ही प्रतिदिन हज़ारों लोगों बचाए गए और कलीसिया में जोड़े गए। बाइबल प्रेरितों के काम 4:32 में कहती है, “अब विश्वास करनेवालों की मण्डली एक चित्त और एक मन की थी, यहाँ तक कि कोई अपनी सम्पत्ति अपनी नहीं कहता था, परन्तु सब कुछ साझे का था।” यह भी उल्लेख है कि कई लोगों ने अपनी संपत्ति और ज़मीनें बेच दी। हनन्याह और सफ़ीरा ऐसे लोगों के बीच रहते थे जो निस्वार्थ थे और अपने लिए कुछ भी नहीं रखते थे। यद्यपि हनन्याह और सफ़ीरा ऐसे समय में रहते थे, पर उनका हृदय अन्य विश्वासियों की तरह नहीं था। उनका हृदय शैतान से भर गया था (प्रेरितों के काम 5:3)। उन्होंने अपनी ओर से अपनी ज़मीन भी बेच दी, लेकिन उन्होंने पूरी कीमत नहीं दी, बल्कि उन्होंने इसका एक हिस्सा अपने लिए रख लिया। इसके पीछे का कारण स्वार्थ था और यही उनके विनाश की शुरुआत का कारण बना। कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि हम कितनी देर तक बेदारी के लिए प्रार्थना करते हैं, उपवास करते हैं, या बेदारी की बैठकों में भाग लेते हैं, अगर हम अपने आप में नहीं मरते हैं और यदि हम नाम और प्रसिद्धि के लिए प्रभु की सेवा करते हैं तो प्रभु हमें बेदारी के लिए उपयोग नहीं कर सकते हैं।



नौजवानों! क्या हममें स्वार्थ तो नहीं, क्योंकि हम इस अंतिम समय की बेदारी के लिए चुने गए हैं? आइए हम स्वयं कि जांचे और खुद को राख बनने के लिए प्रभु को आत्मसमर्पण करें।

पाखंड!

विश्वासियों ने अपनी भूमि और संपत्ति बेच दी, और सारा मुनाफा प्रेरितों के चरणों में रख दिया। बहुतों ने उनकी सराहना की होगी जिन्होंने देखा कि विश्वासियों ने क्या किया। इतना ही नहीं, हो सकता है कि पूरे शहर ने उनके बारे में बात की हो। ये सब देखने के बाद, शायद हनन्याह भी चाहता था कि लोग उसके बारे में बात करें और उसकी सराहना करें। इसलिए, उसने अपनी ज़मीन बेच दी और मुनाफे का केवल आधा हिस्सा दिया।



लेकिन उसने ऐसा दिखावा किया जैसे वह अपनी सारी सम्पत्ति लेकर आया हो। भेंट लाने के पीछे उनका विशुद्ध रूप यह इरादा था कि लोग उसे देखें और प्रशंसा करें, लेकिन प्रभु के लिए कभी नहीं। यह पाखंड है।

जब यीशु ने सदूकियों और फरीसियों को फटकार लगाई, तो उसने पाखंडी शब्द का प्रयोग किया। परमेश्वर पाखंड के पाप से घृणा करता है। हनन्याह के पाखंड के कारण, परमेश्वर को, उसके खिलाफ क्रोध आया।

नौजवान! आपका दिल कैसा है? अगर आपके अंदर पाप है और आप बाहर से एक पवित्र व्यक्ति के रूप में दिखावा करते हैं तो इसका मतलब है कि आप खुद को धोखा दे रहे हैं, दूसरों को नहीं। इसलिए, आइए हम इस अवसर का उपयोग पश्चाताप करने के लिए करें।

पवित्र आत्मा के विरुद्ध झूठ बोलना

हनन्याह अपनी बेची हुई भूमि का दाम लाया और पतरस को दे दिया। उसने दिखाया जैसे वह दूसरों के सामने बलिदान दे रहा था। परन्तु पवित्र आत्मा ने हनन्याह के कपट को प्रकट किया क्योंकि हनन्याह ने मनुष्य से नहीं परन्तु परमेश्वर से झूठ बोला (प्रेरितों के काम 5:4)। हमारा परमेश्वर हमारे हृदयों को खोजता है, और उससे कुछ भी छिपा नहीं है। क्योंकि उसने पवित्र आत्मा के विरुद्ध झूठ बोला, वह वहीं गिर पड़ा और मर गया। जिसके बाद,

उसकी पत्नी सफीरा भी उसकी तलाश में आई, पवित्र आत्मा के खिलाफ झूठ बोली और उसे वहीं सज़ा मिल गई। यद्यपि हनन्याह और सफीरा ने बेदारी को देखा और अनुभव किया, पर वे अंत तक दृढ़ नहीं रह सके।

प्रिय युवाओं! जब हम हनन्याह और सफीरा की कहानी को ऊपरी तौर से पढ़ते हैं, तो हम सोच सकते हैं कि झूठ के लिए इतनी कड़ी सज़ा क्यों। जब आप इस लेख को पढ़ते हैं, तो इसके बारे में वचनों के संदर्भ में सोचें कि आप जो काम करते हैं क्या वो परमेश्वर को प्रसन्न करते हैं या नहीं? परमेश्वर हमें स्वयं, घमंड, पाखंड और हमारे भीतर के अन्य पापों से अवगत कराएंगे जो बेदारी में बाधा डालते हैं और उनसे छुटकारा पाने में हमारी मदद करेंगे।

आइए अगले महीने रेड अलर्ट के क्षेत्र में एक और शब्द से मिलते हैं...

याईर

याईर, आराधनालय का एक सरदार, यीशु के चरणों में गिर गया और उससे अपने घर आने का अनुरोध किया। उसने याचना की, "मेरी बेटी अपनी मृत्यु शय्या पर पड़ी है। यदि आप उस पर हाथ रखोगे, तो वह जीवित रहेगी।" जब यीशु उसके घर को जा रहा था, तो एक स्त्री, जिसे बारह वर्ष से लहू बहने की समस्या थी, और जिसने अपना सारा जीविका वैद्यों पर खर्च कर दिया था, जिनमें से कोई भी उसे चंगा नहीं कर सका, उसके पीछे आई और उसके वस्त्र के सिरे को इस विश्वास के साथ छुआ कि यदि वह उसके वस्त्र के सिरे को भी छू ले, तो वह चंगी हो जाएगी। बस उसके छुने से, यीशु मसीह से सामर्थ निकली और उसे चंगा किया और तुरंत उसका खून बहना बंद हो गया। यीशु ने पूछा, "मुझे किसने छुआ?" चेलों ने कहा, "हे स्वामी, लोग भीड़ लगा रहे हैं और आप पर दबाव डाल रहे हैं। हम उस व्यक्ति को कैसे पहचान सकते हैं जिसने आपको छुआ है?" महिला, यह देखकर की वह छिप नहीं सकती, कांपती हुई आई और उसके पैरों पर गिर गई। सभी लोगों की उपस्थिति में, उसने बताया कि उसने उसे क्यों छुआ था और वह कैसे तुरंत ठीक हो गई थी (लूका 8:46-48)। जब यीशु बोल ही रहा था, तो याईर घबरा कर खड़ा हो गया और इंतज़ार कर रहा था कि यीशु उसकी बेटी को छुएगा और चंगा करेगा। इस समय, आराधनालय के सरदार याईर के घर से कोई आया। "तुम्हारी बेटी मर चुकी है, अब गुरु को दुख न दे।" (लूका 8:49) उसने कहा। यह सुनकर यीशु ने याईर से कहा, मत डर, विश्वास रख, तो वह चंगी हो जाएगी। (लूका 8:50) याईर यह सुनकर थका नहीं और यीशु को अपने घर ले गया, और यीशु ने उसकी बेटी को मरे हुआ में से जिलाया।



प्रिय युवाओं! आप यह सोचकर थक गए होंगे कि आज आपके जीवन में सब कुछ खत्म हो गया है। यीशु आप से कह रहे हैं, "डरो मत केवल विश्वास करो।" याईर को देखो। उसने बिना हारे यीशु पर भरोसा किया, और उसकी बेटी फिर से जीवित हो गई!

अंधा बरतिमाई

जब यीशु अपने क्रूसिकरण से पहले आखरी बार यरीहो के रास्ते से यरूशलेम गए, तो रास्ते में बरतिमाई नाम का एक अंधा भीख मांग रहा था। यह ज्ञात नहीं है कि वह कितने वर्षों से अंधा था। परन्तु जब उस ने यह सुसमाचार सुना, कि यीशु निकट आ रहा है, तो चिल्लाकर कहने लगा, हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर। यीशु के साथ आए चेलों ने बरतिमाई को डांटा। परन्तु उसने हार नहीं मानी और और भी चिल्लाया, "दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया कर।" जो लोग यीशु के साथ आए, वे उसे चिल्लाने से नहीं रोक सके। यीशु ने उसकी पुकार सुनी और उसे लाने को कहा। यह सुनकर, उसने अपना चोगा एक तरफ फेंक दिया, अपने पैरों पर उछला, और यीशु के पास आया। यीशु ने पूछा, "मैं तुम्हारे लिए क्या करूँ?" अंधे ने कहा, "रब्बी, मैं देखना चाहता हूँ।" "जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा किया है" यीशु ने कहा। उसने तुरन्त अपनी दृष्टि प्राप्त की और यीशु के पीछे हो लिया। (मरकुस 10:46-52)



प्रिय युवाओं! जब चेलों ने उसे डांटा तो बरतिमाई थक नहीं गया। वह यीशु से मिलने के अपने संकल्प में दृढ़ था और विश्वास से उसकी दृष्टि प्राप्त की। आप कई बार गिरने के बाद थके हुए हो सकते हैं। बरतिमाई की तरह, बाधाएं आने पर भी हार न मानें। जब तक आप इसे प्राप्त न करें तब तक प्रयास करें! आपको मिल जायेगा!

दाऊद

दाऊद को परमेश्वर ने राजा के रूप में अभिषेक किया था। परन्तु शाऊल दाऊद से इतना बैर रखता था कि उसे मारने के लिये उसका पीछा करता था। भागने की थकान के कारण दाऊद एक समय बहुत थक गया। यह कहते हुए कि एक दिन मैं शाऊल के हाथ से मर जाऊँगा, सो सबसे उत्तम काम जो मैं कर सकता हूँ वह यह है कि मैं पलिशतियों के देश में भाग जाऊँ..." दाऊद और उसके छः सौ जन और उनके परिवारों ने पलिशती राजा आकीश की शरण ली।

आकीश ने दाऊद और उसके जनों के रहने के लिये सिकलग नामक एक स्थान उन्हें दिया। वे कुछ समय वहीं रहे। जब दाऊद और उसके जन दूर थे, तब अमालेकियों ने आकर उनकी पत्नियों, बालकों, और सम्पत्ति को लूट लिया। यह जानकर, दाऊद शोक से भर गया और तब तक रोया जब तक कि उसके पास रोने की शक्ति ना रही (1 शमूएल 30:4), और उसके लोगों ने उसे पत्थरवाह करने की कोशिश की। सिकलग ने दाऊद को बहुत थका दिया। दाऊद के अविश्वास और आत्म-इच्छा ने अभिषिक्त होने के बावजूद उसे थका दिया।



प्रिय युवाओं! यदि आप अविश्वास या स्वेच्छा से कार्य करते हैं, तो आप दाऊद की तरह थक सकते हैं। दाऊद ने परमेश्वर के साथ सब कुछ परामर्श किया। लेकिन जब वह सिकलग में था, तो उसने परमेश्वर से पूछे बिना स्वयं निर्णय लिया, और इससे उसे थकावट हुई। आप कैसे हैं?

पतरस

शमौन पतरस, यीशु के 12 शिष्यों में से एक, पूरी रात कड़ी मेहनत करने और मछली न पकड़ पाने के एक दिन बाद थक गया। पतरस मछली पकड़ने का विशेषज्ञ था। वह जानता है कि आपको एक जगह पर किस तरह की मछली मिलती है, कहाँ मछली पकड़नी है और कब मछली पकड़नी है। परन्तु उस दिन एक भी मछली न पाकर वह उदास होकर नाव से चला गया, और अपने भाई के साथ जाल धो रहा था। उस समय, यीशु गन्नेसरत आए, और उनकी बातें सुनने के लिए एक बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई। फिर यीशु ने पतरस की नाव पर से प्रचार करने के लिए पुछा। जब यीशु ने प्रचार करना समाप्त किया, तो उसने पतरस से, जो आत्मा में थके हुआ था, कहा, "गहरे में ले चल, और पकड़ने के लिए जाल डालो" (लूका 5:4)। शमौन ने उत्तर दिया, "हे स्वामी, हमने सारी रात कड़ी मेहनत की और कुछ भी नहीं पकड़ा। लेकिन यदि तू कहता है, तो मैं जाल डालूंगा।" जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने इतनी मछलियाँ पकड़ीं कि उनके जाल फटने लगे। पतरस, याकूब और यूहन्ना अचंभित थे।



प्रिय युवाओं! क्या आप इस बात से थक गए हैं कि कड़ी मेहनत के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिली या आपने अच्छा अंक नहीं प्राप्त किया? जैसे पतरस ने अपनी नाव यीशु को दी, वैसे ही अपना हृदय यीशु को दे दो। यीशु आपकी थकान को आनंद में बदल देंगे।

पतरस की अद्भुत चंगाई की सामर्थ!

Petra



पतरस के साथ एक यात्रा
भाग - 9

पतरस और लंगड़ा आदमी (प्रेरितों के काम 3:1-10)

जब तक यीशु को स्वर्ग में नहीं उठाया गया, तब तक केवल यीशु ही चमत्कार कर रहा था। जब यीशु का स्वर्गारोहण पूरा हुआ, तो लोग चिंतित थे कि चंगाई के चमत्कार करने के लिए कोई नहीं बचेगा। कलीसिया के प्रवेश द्वार के पास बैठे लंगड़े आदमी का भी कुछ ऐसा ही विचार था। उसने पतरस और यूहन्ना को शाम के 3 बजे कलीसिया में प्रवेश करते देखा, जो कि प्रार्थना का 9वां घंटा था, और उसने भिक्षा मांगी।

लंगड़े आदमी के मन में, “हाय! यदि केवल यीशु इस पृथ्वी पर होते तो मैं उनसे मिलता और चंगा हो जाता। मैंने बहुत से लोगों से उनकी चंगा करने की सामर्थ के बारे में सुना है। मैंने उन्हें याद किया है!” शायद उसके दिल में कोई तमन्ना रही होगी। शायद यही कारण है कि पतरस ने उनसे उन्हें देखने के लिए कहा और भिखारी ने अपनी आध्यात्मिक आँखों से उस यीशु को देखा होगा जिसकी वह उनमें लालसा कर रहा था। या उसने सोचा होगा, “केवल यीशु ही लोगों को चंगा कर सकता है, ये दोनों चले क्या करते हैं?” परन्तु जब पतरस ने उस से अपनी ओर देखने को कहा, तो उसने उसकी बात मानी। “वे मेरे नाम से

रोगियों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएंगे।” (मरकुस 16:17,18) इन वचनों के अनुसार किया, ताकि यीशु का वचन पूरा हो, जैसे ही पतरस ने उस को यह कहते हुए उठाया, “उठो और यीशु मसीह नासरी के नाम से चल,” तुरंत उसके पैर और टखनों की हड्डियों में बल आ गया और वह अपने

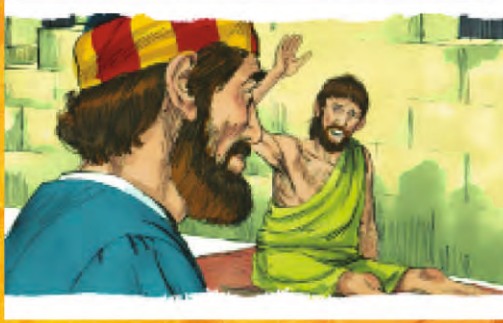
जीवन में पहली बार अपने पैरों पर खड़ा हुआ। क्या खुशी है! उसके स्वर्गारोहण के बाद यीशु के चेलों द्वारा किया गया यह पहला चमत्कार था। पतरस ने लोगों की लालसा को दूर कर दिया कि वे फिर कभी यीशु के चमत्कार को नहीं देखेंगे। जब सभी लोग विस्मय में थे, पतरस ने कहा कि उसने लंगड़े आदमी को अपनी शक्ति और आत्म-भक्ति के कारण नहीं चलाया, बल्कि यीशु के नाम के कारण, वह नाम जो सब नामों से ऊपर है। पतरस यह कहकर यीशु की महिमा करता है यह उसका सच्चा शिष्यत्व दिखाता है।



पतरस और एनियास (प्रेरितों के काम 9:32-35)

सुसमाचार के सेवकाई, चेतावनी, चमत्कारी चंगाई, और बेदारी के अलावा पतरस घर में मुलाकात करने की सेवकाई को करने के लिए लुद्दा शहर में रहने वाले संतों के पास गया। वहाँ

उसे एनियास नाम का एक आदमी मिला, जो आठ साल से बिस्तर पर पड़ा हुआ था और लकवे का मारा था। यह कहने के बजाय कि “मैं तुम्हें चंगा कर दूँ”, उसने यह कहा, “तुम यीशु के नाम पर चंगे हो जाओ,” और उसे उसके बिस्तर से उठा दिया,



परमेश्वर के नाम की महिमा करते हुए। इस चमत्कार के द्वारा लुद्दा और शारोन के लोगो ने मसीह की ओर रुख किया (प्रेरितों के काम 9:35)।

पतरस और तबीता (प्रेरितों के काम 9:36-42)

याफा शहर में तबीता नाम की एक शिष्य थी जिसका अनुवाद दोरकास के रूप में किया गया है। वह भले और परोपकारी कार्यों से भरी हुई थी। शास्त्र में यह उल्लेख नहीं है कि उसने किसी को उपदेश दिया था। लेकिन उसने यीशु की शिक्षाओं का पालन किया और जीवन भर

उसे प्रतिबिंबित किया। जब वह बीमार पड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई तो उस से फायदा पाने वाले उसके नुकसान को सहन नहीं कर सके। कोई अन्य शिष्य वहाँ एकत्रित नहीं हुआ और उसने यीशु के नाम पर चमत्कार करने की कोशिश नहीं की। इसलिए, उनके



दिमाग ने पतरस की मदद मांगी। चूँकि याफा लुद्दा के पास है (विद्वानों के अनुसार 10 मील दूर) वे पतरस को बुलाने के लिए 2 आदमी भेजते हैं जो बिना देर किए उनके पास आने के लिए वहाँ थे। पतरस ने स्थिति की गंभीरता को महसूस किया और आसानी से उनके साथ चला गया। विधवाओं ने जो पतरस के चारों ओर थीं उसे तबीता द्वारा बनाए गए पोशाक और वस्त्र दिखाए, इस उम्मीद के साथ कि, “क्या वह कुछ नहीं करेगा?” जैसे यीशु ने याईर की बेटी (मरकुस 5:40) को पुनर्जीवित करते हुए सभी को बाहर रहने के लिए कहा,

पतरस ने वहाँ के लोगों से उस स्थान को छोड़ने के लिए कहा। फिर वह खुद को नम्र करता है और घुटनों के बल प्रार्थना करता है। फिर वह मृतक से विश्वास के साथ बात करता है और उसे उठने की आज्ञा देता है। दोरकास ने पतरस की बात मानी और अपनी आँखें खोलीं और पतरस को देखते हुए

बैठ गई। फिर उसने उसे अपने हाथ दिए और उसे उठा लिया। फिर उसने उन संतों और विधवाओं को बुलाया जो बाहर प्रतीक्षा कर रहे थे, और उनकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए उसे जीवित प्रस्तुत किया। यह खबर सारे याफा में फैल गई और सभी ने मसीह में विश्वास किया।

भले ही पतरस अनपढ़ था, उसने बिना किसी माइक्रोफोन के प्रचार किया और 3000, 5000 आत्माओं को कलीसिया में जोड़ा। अब, पतरस के चमत्कारी चंगाई के वरदान के द्वारा, बिना किसी विज्ञापन के नगर से नगर तक पुरुष और स्त्रियाँ विश्वासी बन गए और बड़ी संख्या में प्रभु से जुड़ गए। उन्होंने

उसकी चंगाई की सामर्थ्य पर इतना भरोसा किया कि वे बीमारों को सड़कों पर ले आए और उन्हें बिस्तरों और सोफे पर लिटा दिया, ताकि कम से कम जब पतरस गुज़रे तो उसकी छाया उनमें से कुछ पर पड़े।

और आसपास के नगरों से एक भीड़ इकट्ठी हुई, जो बीमारों और अशुद्ध आत्माओं के सताए हुए लोगों को ले कर

आई, और वे सब के सब चंगे हो गए, (प्रेरितों के काम 5:14-16) और उनमें से कोई भी निराश नहीं हुआ। पतरस ने इस वचन को, “जो मुझ पर विश्वास करता है, वह काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा, और इन से भी बड़े काम करेगा,” (यूहन्ना 14:12) एक वास्तविकता बना दिया। परमेश्वर के एक जन के कारण सारा यरूशलेम और आस-पास के शहर आशीषित हो गए।

पतरस की यात्रा जारी रहेगी...

प्रार्थना गाइड

Intercede: Esther

प्रार्थना अंक

1. प्रार्थना करें कि सड़क हादसों में होने वाली मौतों को पूरी तरह से रोका जाए।
2. सड़क दुर्घटनाओं के कारण हर साल हजारों लोग पीड़ित होते हैं। आइए हम प्रार्थना करें कि लोग सड़क नियमों का पालन करें।
3. कई दुर्घटनाएं शराब पीकर गाड़ी चलाने और मोबाइल फोन पर बात करने से होती हैं। आइए प्रार्थना करें कि इन्हें ठीक किया जाए।
4. हम प्रार्थना करें कि लोक निर्माण विभाग सड़क नियमों का पालन करने और उसके अनुसार वाहन चलाने के लिए कार्रवाई करें।
5. हम प्रार्थना करें कि यातायात उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं और उचित कार्रवाई की जाए।

22



सड़क दुर्घटनाएँ

सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं 2017 से 2020 के बीच हुई हैं। 2017 में 17,926 लोगों की मौत हुई। 2018 में 18,394 लोगों की मौत हुई। 2019 में 18,129 और 2020 में सड़क दुर्घटनाओं के कारण 14,527 लोगों की मौत हुई। इन वर्षों में 2017 से 2020 तक दुर्घटनाओं की संख्या 12 प्रतिशत से बढ़कर 83 प्रतिशत हो गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले चार वर्षों में दुर्घटनाओं और मौतों में वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड विभाग ने देश भर में वर्ष 2021 में सड़क, रेल और रेलवे क्रॉसिंग जैसी यातायात दुर्घटनाओं के आंकड़े प्रकाशित किए हैं। पिछले साल 4.03 लाख सड़क हादसे हुए थे और 1,55,622 लोगों की मौत हुई थी और 3,71,844 लोग घायल हुए थे।

महिलाओं के खिलाफ अपराध

दिल्ली में पिछले छह महीनों में करीब 1,100 लोगों के साथ बलात्कार किया गया और 2704 अन्य महिलाओं का अपहरण किया गया। इससे राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा पर अभी भी सवालिया निशान है। दिल्ली में हर रोज यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इस साल 15 जुलाई तक 1,100 महिलाओं के साथ रेप हो चुका है। 2021 में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के लिए दर्ज मामलों की संख्या 1,244 थी। इस साल जुलाई में यह बढ़कर 1,480 हो गई। इस साल 2197 महिलाओं का अपहरण किया गया। 2704 महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा। 69 महिलाएं दहेज प्रताड़ना का शिकार हो चुकी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी में महिलाओं के खिलाफ अपराध में कुल मिलाकर 17% की वृद्धि हुई है।



प्रार्थना अंक

1. आइए हम महिलाओं के खिलाफ बढ़ते बलात्कार के मामलों की रोकथाम और उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
2. हम प्रार्थना करें कि सरकार अपहरण और हज़ारों महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ कार्रवाई करे।
3. महिलाओं पर हमले के खिलाफ दर्ज कई मामले अदालत में लंबित हैं. आइए हम प्रार्थना करें कि हमारे समाज में महिलाओं के खिलाफ हिंसा समाप्त हो।
4. आइए हम अपने देश में बहुत सी महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली घरेलू हिंसा को समाप्त करने के लिए प्रार्थना करें।
5. दहेज कई महिलाओं के जीवन को खराब करता है और आजकल आत्महत्या के मामलों की बढ़ती संख्या का कारण है। आइए हम ऐसी घटनाओं की रोकथाम और महिलाओं में बेहतर सतर्कता के लिए प्रार्थना करें।

CRIMES AGAINST WOMEN

ड्रग्स

भारत में इस साल अब तक 6 टन से ज्यादा ड्रग्स जप्त किया जा चुका है। इसमें से 5 करोड़ लोग ड्रग्स के आदी हैं। भारत में 7.34 करोड़ लोग ड्रग्स के आदी हैं। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच ड्रग्स (नशीली गोलीयों) का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। भारत में, 20 लाख किशोर तम्बाकू का उपयोग करते हैं, 40 लाख किशोर नशीली गोलीयों का उपयोग करते हैं और 30 लाख नशे की कश (हुक्का) का उपयोग करते हैं। नशीली दवाओं और शराब की लत एक ऐसी स्थिति पैदा करती है जहां उनका जीवन कम उम्र में समाप्त हो जाता है।



प्रार्थना अंक

1. आइए हम प्रार्थना करें कि भारत सरकार नशीली दवाओं की बिक्री को रोकने के लिए उचित कदम उठाए।
2. आइए हम सरकार से युवाओं को भ्रष्ट करने वाली नशीली दवाओं पर प्रतिबंध लगाने की प्रार्थना करें।
3. आइए हम स्कूल और कॉलेज के छात्रों की सुरक्षा और उनमें जागरूकता के लिए प्रार्थना करें।
4. आइए हम नशे का सेवन करने वाले 7.34 करोड़ लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।
5. हम प्रार्थना करें कि इस सेवन के आदी बच्चों को इससे मुक्त किया जाए और सरकार उन बच्चों के लिए उपयुक्त परामर्श केंद्र स्थापित करने का प्रयास करे।

ओबद्याहः

(एदोम पर न्याय, और
इस्राएलियों का छुटकारा)

प्रिय युवा हृदय!

इस महीने आइए हम छोटी भविष्यवाणी की किताबों में से चौथी किताब पर संक्षेप में चर्चा करें “ओबद्याह की किताब भविष्यवाणी करती है कि एदोमियों का न्याय किया जाएगा क्योंकि वे गर्व से यरूशलेम को हुए नुकसान पर आनन्दित हुए थे।

लेखक: ओबद्याह

समय अवधि: 840 ईसवी पूर्व

अध्याय: 1

छंद: 21

शब्द: 670

मुख्य व्यक्ति: ओबद्याह

ओबद्याह में मसीह

राष्ट्रों के न्यायधीश (आयतें 15,16), इस्राएलियों के उद्धारक (आयतें 17-20), राज्य के स्वामी (आयत 21) के रूप में चित्रित किया गया है।



ओबद्याह-सारांश

एदोम के न्याय की भविष्यवाणी

न्याय की निश्चितता (आयतें 1:1-4)

न्याय का समापन (आयतें 1:5-9)

एदोम के न्याय का आधार

भाईचारे के स्नेह की कमी (आयत 1:10)

अहंकार के लिए (आयतें 1:11,12)

क्रूरता के लिए (आयतें 1:13,14)

ओबद्याह:

न्याय का समय (1:15 आयत)

न्याय का परिणाम (आयतें 1:16-18)

इस्राएल का छुटकारा (आयतें 1:19-21)

मुंबई रिवाइवल यूथ मीट!

भांडुप

5 नवंबर, शनिवार

शाम 5:00 से 9:00 बजे तक

संपर्क करें: 9004882470,

8082410410



मलाड

सी एन आई क्राइस्ट चर्च (तमिल)

पोइसर, कांदिवली (पश्चिम)-400067

6 नवंबर, रविवार

शाम 5:00 से 9:00 बजे तक

संपर्क करें: 9664050567,

9004882470

संदेश और प्रार्थना: भाई अविनाश

आइए हम प्रार्थना करें और जीते!

बहुतों के मन में एक प्रश्न होता है, “क्या प्रार्थना में बहुत कठिन शब्द और बाइबल की गहरी बुद्धि होनी चाहिए और न की सरल?” निश्चय ही, प्रार्थना सरल है। जिस प्रार्थना को हम देखने जा रहे हैं वह एक साधारण प्रार्थना है जिसे हिजकियाह ने प्रस्तुत किया।

जब हम हिजकियाह की प्रार्थना के बारे में बात करते हैं, तो सबसे पहली बात जो हमारे दिमाग में आती है वह प्रार्थना है जो उसने की थी, अपने जीवनकाल को 15 साल तक बढ़ाने के लिए। लेकिन वह अकेला नहीं था, जो केवल अपने लिए प्रार्थना करता था। वह जीवन भर प्रार्थना करने वाले व्यक्ति बने रहे। आइए उनकी प्रार्थना पर मनन करें।

अपने लोगों के लिए परमेश्वर से एक प्रार्थना

जब कुछ लोगों ने परमेश्वर के वचनों की अवज्ञा की, तो हिजकियाह ने उन्हें परमेश्वर की ओर मुड़ने की सलाह दी और उनके लिए प्रार्थना की। “भला प्रभु सबका प्रायश्चित्त करे।” (2 इतिहास 30:19) हिजकियाह की प्रार्थना थी। यहोवा ने उसकी मध्यस्थता की प्रार्थना सुनी और लोगों पर अनुग्रह किया।

मुसीबत के समय एक प्रार्थना

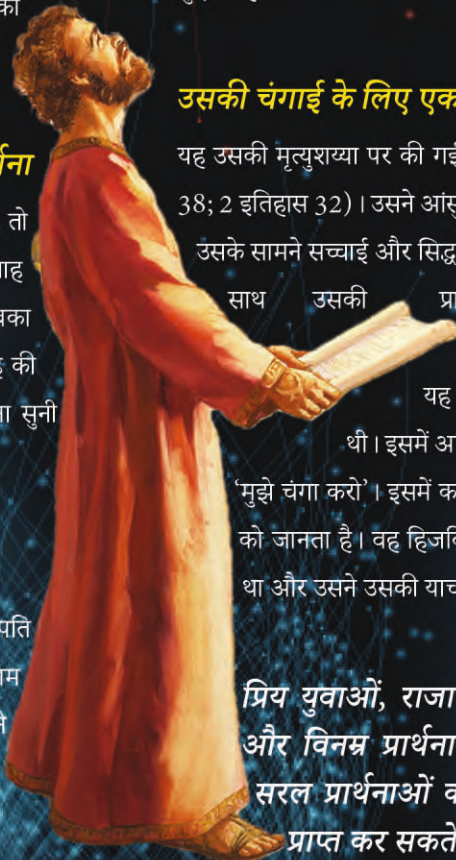
अशूर के राजा सन्हेरीब के द्वारा भेजे गए सेनापति रबशाके ने यहूदा पर चढ़ाई की, और वह घृणित काम करने लगा, और हिजकियाह का मज़ाक उड़ाने लगा। उस ने ललकारा, “कि मैं तुझे दो हज़ार घोड़े दूंगा; यदि तू उन पर सवार होने के लिए दो हज़ार

पुरुष ला सके, तो अशूर के राजा के सामने खड़े हो जाना। इससे राजा हिजकियाह बहुत परेशान हुआ। बाद में, जब रबशाके और भी गाली देने लगा, तब राजा हिजकियाह यहोवा के सामने गया और अपना मन उण्डेल दिया। इसका उल्लेख “रीना” के रूप में किया गया है। यह भय के बीच परमेश्वर पर भरोसा करने में मदद करने की पुकार है। भय के दिन में भी हम यहोवा पर भरोसा रखें। विश्वास की एक प्रार्थना यह कह रही है, “प्रभु मेरी ओर है; मैं नहीं डरूंगा; मनुष्य मेरा क्या कर सकता है?” हमारी प्रार्थनाओं में भी, यह याद रखना आवश्यक है कि “प्रभु संकट के दिन एक मज़बूत गढ़ है; वही है जो मुझे बचाता है और मुझे छुड़ाता है।”

उसकी चंगाई के लिए एक प्रार्थना

यह उसकी मृत्युशय्या पर की गई प्रार्थना थी (2 राजा 20; यशायाह 38; 2 इतिहास 32)। उसने आंसुओं में परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह उसके सामने सच्चाई और सिद्ध हृदय से चला। प्रभु ने एक संकेत के साथ उसकी प्रार्थना का उत्तर दिया और उसके जीवनकाल को 15 वर्ष बढ़ा दिया। यह एक साधारण ‘मुझे याद रखें’ प्रार्थना थी। इसमें आंसू थे और एक साधारण अनुरोध था, ‘मुझे चंगा करो’। इसमें कई शब्द नहीं थे। लेकिन यहोवा दिल को जानता है। वह हिजकियाह के अनकहे शब्दों से अवगत था और उसने उसकी याचना का उत्तर दिया।

प्रिय युवाओं, राजा हिजकियाह ने ऐसी सरल और विनम्र प्रार्थना की। हम भी उसकी तरह सरल प्रार्थनाओं को कर सकते हैं और उद्धार प्राप्त कर सकते हैं।



प्रिय युवा लड़कों और लड़कियों, यीशु मसीह के नाम पर प्यार भर अभिवादन! इस महीने हम “थकान” के विषय पर चर्चा करते हुए प्रार्थना करते हैं कि आप सभी मसीह यीशु, परमेश्वर के वचन और आत्मा के साथ अपने रिश्ते में विकसित हों।

क्या आप थकावट के रास्ते से गुज़रे हैं? हम कई बार झूलसा हुआ महसूस करेंगे। जब हम लंबे समय तक धूप में बाहर रहते हैं, जब हम व्यायाम करते हैं या खेलने में समय बिताते हैं तो हमें थकावट महसूस होती है। हम स्थिति को कैसे संभालते हैं? जाहिरा तौर पर हम कुछ समय के लिए छाया में बैठते, कुछ ठंडा पानी पीते या ताज़ा ठंडा पेयजल पीते हैं। प्रिय मित्रों, जिस प्रकार हम अपने शरीर में थकान का अनुभव करते हैं, उसी प्रकार हम जिन परिस्थितियों का सामना करते हैं, उनके कारण हमारी आत्मा में भी समय-समय पर हम थक जाते हैं।

आइए हम परमेश्वर के वचन के माध्यम से थकान से निपटने के तरीकों पर मनन करें। इस दुनिया में एक ऐसे व्यक्ति को खोजना मुश्किल है जो थका नहीं है। लोग, जब वे थके हुए होते हैं, तो वे आमतौर पर तनाव से दो तरह से निपटते हैं। कुछ लोग उस थकान में डूब जाते हैं, यह सोचकर कि उनका जीवन बर्बाद हो जाने के लिए है और अपना पूरा जीवन थकान के दुःख में जीते हैं। अन्य लोग थकान के आगे झुकते नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद आगे



बढ़ने का प्रयास करते हैं। हम परमेश्वर की संतान होने के नाते, जब समय-समय पर आध्यात्मिक थकान का अनुभव करते हैं, तो हमें थकावट से बाहर आने के लिए परमेश्वर की उपस्थिति की तलाश करनी चाहिए, जैसे कि हम एक छाया की तलाश करते हैं, आराम करते हैं और शारीरिक थकान से खुद को ठीक

थके नहीं!



करने के लिए ताज़ा पेयजल लेते हैं। यदि आपने कभी मैराथन देखी है, तो दौड़ में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी के लिए ज़रूरत पड़ने पर पानी उपलब्ध कराया जाता है। प्रतिभागियों के पीने के लिए विशेष दूरी पर टेंट में पानी की बोतलें रखी जाती हैं। प्यारे दोस्तों, हमारा जीवन एक मैराथन दौड़ की तरह है। हम अकेले दौड़ नहीं लगा सकते। हमें परमेश्वर चाहिए। हमें प्रभु के साथ चलना चाहिए। आप जैसे युवाओं के लिए जीवन के विभिन्न बिंदुओं पर थकान के कई कारण हो सकते हैं। उनमें से कुछ यह हैं कि एक विशेष पाप की आदत में अपरिवर्तनीय रूप से बार-बार गिरना, लगातार किसी चीज़ के लिए प्रार्थना करना लेकिन कोई जवाब न मिलना, यह उम्मीद करना कि आपके माता-पिता आपको समझेंगे, और यह नहीं होना और रिश्तों में समस्याएं आध्यात्मिक थकावट की ओर ले जाती हैं।

लेकिन मेरे प्यारे दोस्तों !! थकान को अपने ऊपर हावी न होने दें। यही वाक्य कहता है, यदि



तुम्हारे दोस्तों के साथ दौड़ा कर थक गया, तो घोड़ों से कैसे बराबरी कर सकेगा? यिर्मयाह 12:5. हाँ, प्यारे दोस्तों, जैसे कोई भी पिता चाहता है कि उसका बच्चा मज़बूत हो, वैसे ही हमारे प्रभु चाहते हैं कि उसके बच्चे उस पर निर्भर रहने के द्वारा मज़बूत और साहसी हों। चूँकि वह ऐसा कहता है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह

हमारी थकान और टूटे हुए दिल से अनजान है। वह कहता है, “क्योंकि मैं ने थके हुए मन को तृप्त किया है, और हर दुःखी जीव को भय दिया है।” यिर्मयाह 31:25। अत्यधिक दुःख व्यक्ति को आध्यात्मिक रूप से थका देगा। इसलिए परमेश्वर कहता है, “अपना बोझ यही वाक्य पर डाल दे, वह तुझे सम्भालेगा; वह धर्मी को कभी भी टलने न देगा।” भजन संहिता 55:22।

इसके अलावा, मैं आपको बाइबिल के एक महत्वपूर्ण हिस्से की ओर संकेत करना चाहूँगा जहाँ यीशु के बारे में बात की गई है। हालाँकि बाइबल में कई ऐसे पात्र हैं जो विभिन्न अच्छे कामों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन यीशु हमारे प्राथमिक आदर्श हैं।

धर्मग्रंथ हमें बताता है कि कैसे यीशु ने अपने सामने की थकान को सहन किया, “यीशु की ओर देखते रहें, जो हमारे विश्वास का कर्ता और सिद्ध करने वाला है, जिन्होंने आनंद के लिए जो उसके सामने रखा गया था, लज्जा की चिंता न करते हुए क्रूस का दुःख सह लिया, और परमेश्वर के सिंहासन की दाहिनी ओर बैठ गया, इसलिए उस पर ध्यान करो जिसने पापियों का इतना विरोध सह लिया, कि तुम निराश होकर साहस न छोड़ दो।” (इब्रानियों 12:1-3)।

प्रिय भाई और बहन! कई बार, हम निराश हो जाते हैं जब लोग उस तरह से व्यवहार नहीं



करते हैं जैसा हम उनसे उम्मीद करते हैं, जब हम जो अच्छा करते हैं वह अदल - बदल नहीं होता है। यीशु अपने चारों ओर की समस्याओं से निराश नहीं था, बल्कि पिता परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करने पर केंद्रित था। हम भी यीशु की तरह ही अपनी परिस्थितियों के कारण भलाई करने से न थकें!